

वीक्ष्य वि. (तत्.) 1. देखने योग्य, दर्शनीय, अवलोकनीय
2. आश्चर्यजनक पुं. 1. दर्शनीय वस्तु 2. दिखाई देने वाली वस्तु 3. आश्चर्यजनक वस्तु अथवा व्यक्ति।

वीखना क्रि. (तत्.) 1. देखना 2. विचार करना टि. मानक हिंदी में इसका प्रयोग नहीं होता, केवल प्राचीन पद्य में इसका प्रयोग मिलता है।

वीचि स्त्री. (तत्.) 1. लहर, तरंग 2. किरण 3. दीप्ति 4. अवकाश 5. अल्पता।

वीचिमाली पुं. (तत्.) समुद्र, सागर।

बीज पुं. (तत्.) 1. वह दाना अथवा गुठली जिससे पेड़-पौधे का अंकुर उगे दे. बीज 2. द्वितीया तिथि।

बीजक पुं. (तत्.) दे. बीजक।

बीजन पुं. (तत्.) 1. चक्रवाक, चकोर 2. पीला लोध 3. पंखा।

बीजमार्गी पुं. (तत्.) एक विशेष प्रकार का।

बीजा पुं. (अं.) किसी देश में प्रवेश के लिए उस देश के द्वारा जारी प्रवेश अनुमति जो पारपत्र (पासपोर्ट) पर अंकित की जाती है, अभिज्ञान मुद्रा।

बीटक पुं. (तत्.) पान का बीड़ा।

बीटा स्त्री. (तत्.) प्राचीनकालीन एक प्रकार का गुल्ली-डंडा जैसा खेल।

बीटिका स्त्री. (तत्.) 1. पान की बेल 2. पान का बीड़ा तैयार करने की क्रिया 3. बंधन, गाँठ, चोली की गाँठ।

बीणा स्त्री. (तत्.) एक प्राचीन वाद्य यंत्र जिसके दोनों सिरों पर तूँवे लगे रहते हैं टि. बीणा सितार का ही पूर्व रूप है।

बीणा पाणि वि. (तत्.) जिसके हाथ में बीणा हो स्त्री. देवी सरस्वती पुं. (देवर्षि) नारद।

बीत वि. (तत्.) 1. बीता हुआ 2. प्रस्थानित, गया हुआ 3. अंतर्धान, लुप्त 4. छोड़ा हुआ, ढीला किया हुआ।

बीतदंभ वि. (तत्.) विनम्र।

बीतराग वि. (तत्.) 1. कामना-शून्य 2. बिना रंग का पुं. जितेंद्रिय साधु।

बीतशोक पुं. (तत्.) अशोक वृक्ष वि. शोक रहित।

बीत सूत्र पुं. (तत्.) यज्ञोपवीत, जनेऊ।

बीतहव्य पुं. (तत्.) यज्ञ में हव्य अथवा आहुति देने वाला।

बीति होत्र पुं. (तत्.) 1. अग्नि 2. सूर्य 3. यज्ञ करने अथवा करवाने वाला, याज्ञिक।

बीथि स्त्री. (तत्.) 1. मार्ग, रास्ता 2. पंक्ति, कतार 3. हाट, दुकान 4. दृश्य काव्य अथवा नाट्य रूपक के 27 भेदों में से एक जो एक ही अंक का होता है, इसमें आकाश भाषित और शृंगार रस का आधिक्य रहता है।

बीथिका स्त्री. (तत्.) 1. मार्ग 2. चित्रशाला 3. दीवार अथवा भीत जिस पर चित्र बनाया जाए।

बीन स्त्री. (तत्.) बीणा प्रयो. बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ टि. इसका प्रयोग प्रायः काव्य में महादेवी ही करती रही है।

बीपा स्त्री. (तत्.) विद्युत, बिजली।

बी.पी/बी.पी.पी. स्त्री. (अं.) डाक द्वारा किसी वस्तु (पार्सल) को भेजने की वह व्यवस्था जिसके तहत पार्सल पाने वाले को उसपर अंकित धनराशि लेकर ही पार्सल दिया जाता है। value payable parcel

बीप्सा स्त्री. (तत्.) 1. व्याप्त होने की इच्छा, परिव्याप्ति 2. शब्ददुरुक्ति आवृत्ति काव्य. एक शब्दालंकार जो हर्ष, शोक आदि किसी आकस्मिक भाव की प्रभावी अभिव्यक्ति के लिए शब्दों की आवृत्ति से पैदा होता है।

बीर वि. (तत्.) 1. बहादुर, बलवान, ताकतवर शूर वि. कायर पुं. 1. योद्धा, भट, शूरवीर प्रयो. 'बीर विहीन मही में जानी' -तुलसीदास 2. काली मिर्च 3. खस की जड़ 4. अग्नि 4. पुत्र 5. पति 6. अर्जुन वृक्ष 7. भाई, पति, पुत्र आदि के लिए